पाठ 15
अपूर्व पूजा

सुख सौरभ का सार सरस सुमनों का सुन्दर हार नहीं,
धूप दीप नैवैद्य मधुर मेवाओं का उपहार नहीं।

शंख नहीं, घड़ियाल नहीं, है भजन नहीं, है गान नहीं,
अरे पुरानी पूजा का कोई भी है सामान नहीं।

केवल कुछ मतवाले त्यागी छोड़ सुनहला सुख संसार,
अर्पण करने आए हैं इन चरणों पर जीवन का सार।

माँ तेरे मन्दिर में कैसे पागल प्रेमी आए हैं,
देख अमल उपहार हृदय की झोली में भर लाए हैं।

▸ जगन्नाथ प्रसाद 'मिलिन्द'

शिक्षण संकेत

- शिक्षक कविता का हाव, भाव, लय के साथ वाचन करें तथा छात्रों से कराएँ।
- देश प्रेम से संबंधित प्रसंगों को सुनाएँ व्याकरण का अभ्यास कराएँ

नए शब्द

सौरभ = सुगंध, महक। **सुमन** = पुष्प, फूल। **धूप-दीप** = धूप नामक सुगन्धित पदार्थ तथा दीया (पूजा सामग्री)। **नैवेद्य** = भोग। **मेवा** = किशमिश, बादाम, अखरोट, काजू आदि सूखे फल। **उपहार** = भेंट, सौगात। **घड़ियाल** = बड़ा घंटा। **गान** =गाना, गीत। **मतवाले**= स्वयं की धुन में मस्त रहने वाला लापरवाह। **अर्पण करने** = सौंपने, भेंट करने। **सार** = मुख्य तत्व, सारांश। **अमल** =स्वच्छ, उज्जवल।

अनुभव विस्तार

1. कविता से खोजकर बताइए-

(क) सही जोड़ियाँ बनाइए-

सरस सुमनों का	–	उपहार नहीं
मधुर मेवाओं का	–	प्रेमी आए हैं
मंदिर में कैसे पागल	–	में भर लाए हैं
उपहार हृदय की झोली–		सुन्दर हार नहीं

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. अरे पुरानी पूजा का कोई भी है.....नहीं।
2. केवल कुछ मतवाले त्यागी छोड़ .....सुख संसार।
3. अर्पण करने आए हैं इन.....पर जीवन का सार।
4. शंख नहीं, घड़ियाल नहीं, है.....नहीं, है गान नहीं।

2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए-

1. हार किसका बना होता है?
2. जीवन का सार कहाँ अर्पित करने की इच्छा व्यक्त की गई है?
3. संसार को किस तरह बतलाया गया है?

4. हृदय की झोली में क्या भरकर लाने की बात कही गई है?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्य में लिखिए-

1. पूजा में कौन-सी सामग्रियों का उपयोग किया जाता है?
2. त्यागी को मतवाला क्यों कहा गया है?
3. ''माँ तेरे मंदिर में कैसे पागल प्रेमी आए हैं'' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

भाषा की बात

प्रश्न 1 नीचे लिखी पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए-

माँ तेरे **मंदिर** में कैसे पागल प्रेमी आए हैं,

देख अमल उपहार हृदय की झोली में भर लाए हैं।

ऊपर की पंक्तियों में दो प्रकार के शब्द प्रयुक्त हुए हैं-

वर्ग (1) मंदिर

इसमें मंदिर शब्द पर ं चिह्न लगा है।

(ं) यह चिह्न अनुस्वार कहलाता है।

अनुस्वार का अर्थ है स्वर के बाद आने वाली ध्वनि। यह नासिका व्यंजन है, इसे स्वर या व्यंजन के ऊपर लगाते हैं।

अनुस्वार शब्द के मध्य या अन्त में ही आ सकता है, शब्द के प्रारंभ में नहीं।

यह जिस व्यंजन के पहले आता है उसी व्यंजन के वर्ग की (पंचम वर्ण) नासिका ध्वनि के रूप में इसका उचारण किया जाता है।

क	वर्ग के साथ	ङ	जैसे-	पंक	पङ्क
च	वर्ग के साथ	ञ	जैसे-	पंच	पञ्च
ट	वर्ग के साथ	ण	जैसे-	पंडा	पण्डा
त	वर्ग के साथ	न	जैसे-	पंत	पन्त
प	वर्ग के साथ	म	जैसे-	पंप	पम्प

आज मानक रूप में पंचम वर्ण के स्थान पर (ं) अनुस्वार का चिह्न मान्य है।

ध्यान दीजिए-

वर्ग (2) माँ

इसमें माँ शब्द पर (ँ) लगा है

(ँ) यह चिह्न 'चन्द्रबिन्दु' कहलाता है। इसका उच्चारण आनुनासिक है। आनुनासिक, स्वरों का गुण है। जब इसका उच्चारण होता है, तब हवा मुख के साथ नाक से भी निकलती है।

चन्द्रबिन्दु (ँ) लगाने के निम्नलिखित नियम हैं-

(क) जिन स्वरों मात्राओं का कोई भी हिस्सा शिरो रेखा से बाहर नहीं निकलता तो आनुनासिक के लिए (ँ) का प्रयोग करते हैं, जैसे ठाँव, साँस ताँगा, माँगा।

(ख) जिन स्वरों की मात्राओं का कोई भाग शिरो रेखा के ऊपर निकल जाता है तब चन्द्रबिन्दु के स्थान पर (ं) का ही प्रयोग होता है, जैसे चोंच, कोंपल।

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार तथा आनुनासिक वाले शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए-

पंचम, छंद, फाँस, मंडप, वहाँ, संकोच, जाएँ, हाँफना, पाँव, भाँज, कंदमूल, बताऊँ गुंजन, झाँसी, काँपना संसार, सुंदर, शंख

अनुस्वार (ं)			आनुनासिक (ँ) शब्द		
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....

2. निम्नलिखित शब्दों के सही उच्चारण कीजिए और लिखिए-

जंगल, कंगन, गाँव, आँगन, चंचल, डंडा, आँख, हँस, दाँत, गंगा, रंग, रँगना, हँसना, मुँह

3. निम्नलिखित शब्द पहेली में रात, पानी, कमल के दो- दो पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं। उन्हें ढूँढिए तथा लिखिए।

र	रा	त्रि	तो
ज	ल	वा	य
नी	र	ज	ज

अब करने की बारी

1. सफेद ड्राइंग शीट पर मंदिर, मस्जिद गिरजाघर एवं गुरुद्वारा का चित्र बनाइए एवं रंग भरकर अपनी कक्षा में लगाइए।
2. प्रार्थना से संबंधित कविताओं का संकलन कीजिए।
3. पूजा में आप किन-किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं? सूची बनाइए।
4. विभिन्न धर्मों के पूजा स्थलों के नामों का पता लगाइए तथा अपनी डायरी में लिखिए।

———— 0 ————